भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

10.02.2023 के

तारांकित प्रश्न सं. 93 का उत्तर

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए नई रेलवे परियोजनाएं

93. श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम और उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में चल रही परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में इन परियोजनाओं के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(ग) इन परियोजनाओं में अब तक कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए नई रेलवे परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 10.02.2023 को राज्य सभा में श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 93 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित **विवरण**।

(क) से (ग): रेल परियोजनाएं राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत की जाती हैं, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। बहरहाल, 01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 77,930 करोड़ रु. की लागत वाली 1,909 कि.मी. कुल लंबाई की 19 रेल अवसंरचना परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 409 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक 30,312 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनमें शामिल हैं:-

(i) 61,520 करोड़ रु. की लागत वाली 1,181 कि.मी. कुल लंबाई वाली 14 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 361 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक 27,458 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

(ii) 16,410 करोड़ रु. की लागत वाली 728 कि.मी. कुल लंबाई वाली 5 दोहरीकरण/मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाएं, जिनमें से 48 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक 2,854 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

पिछले तीन वर्षों और मौजूदा वर्ष में असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली चालू परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति और इन परियोजनाओं के लिए आबंटित निधि का ब्यौरा परिशिष्ट के रूप में संलग्न है।

2014 के बाद से, भारतीय रेल में अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए निधि आबंटन में पर्याप्त वृद्धि हुई है और तदनुरूप परियोजनाओं की कमीशनिंग हुई है। 2014-19 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन को 2009-14 के दौरान 2,122 करोड़ रु. प्रति वर्ष से बढ़ाकर 5,531 करोड़ रु. प्रति वर्ष कर दिया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट आवंटन से 161% अधिक है। वित्त वर्ष 2019-20 में इन आवंटनों को बढ़ाकर 4,909 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आवंटन से 131% अधिक), वित्त वर्ष 2020-21 में 4,669 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आवंटन से 120% अधिक) और वित्त वर्ष 2021-22 में 7,542 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन से 255% अधिक) कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, इन परियोजनाओं के लिए 9,970 करोड़ रु. का अब तक का सर्वाधिक बजट आबंटन प्रदान किया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन (प्रति वर्ष 2,122 करोड़ रु.) से 370% अधिक है।

2014-22 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाले 1544 कि.मी. खंडों (377 कि.मी. नई लाइन, 972 कि.मी. आमान परिवर्तन और 195 कि.मी. दोहरीकरण) को 193 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर पर कमीशन कर दिया गया है, जो 2009-14 के दौरान कमीशनिंग की तुलना में 190 प्रतिशत अधिक है (66.6 किमी प्रति वर्ष)।

*****

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए नई रेलवे परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 10.02.2023 को राज्य सभा में श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 93 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित **परिशिष्ट**।

क्र.सं.	**परियोजना का नाम लंबाई सहित (कि.मी.)**	**योजना शीर्ष**	**निधि आबंटन (बजट परिव्यय) (करोड़ रु. में)**				**वर्तमान स्थिति**
			2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	
1	जीरीबाम-इम्फाल (111 कि.मी.)	नई लाइन	850	800	1000	1000	जिरीबाम-वांगैइचिंगपाओ (12 किमी) और वांगईचिंगपाओ-खोंगसांग (43 किमी) खंड कमीशन कर दिए गए हैं। शेष लंबाई में कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	दीमापुर (धनसिरी)-जुब्जा (कोहिमा) (82 किमी)	नई लाइन	500	300	800	1000	धनसिरी-सुखोवी (16.5 किमी) को कमीशन कर दिया गया है। इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	भैराबी-सारंग (51 किमी)	नई लाइन	750	475	1000	1005	पूरी परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	सिवोक-रंगपो (44 किमी**)**	नई लाइन	200	607	1100	2500	पश्चिम बंगाल में वन भूमि के डायवर्जन के लिए वानिकी मंजूरी में विलंब के कारण परियोजना में देरी हुई। पश्चिम बंगाल में संरेखण का 83% हिस्सा वन भूमि से होकर गुजरता है। फरवरी, 2019 में पश्चिम बंगाल सरकार से पश्चिम बंगाल के वन क्षेत्र में कार्य करने की अनुमति प्राप्त हुई थी। सभी 14 सुरंगों (लगभग 39 किमी) और बड़े पुलों (12) के लिए एजेंसियों को अंतिम रूप दे दिया गया है और कार्य शुरू कर दिया गया है।

क्र.सं.	परियोजना का नाम लंबाई सहित (**कि.मी.**)	योजना शीर्ष	निधि आबंटन (बजट परिव्यय) (करोड़ रु. में)				वर्तमान स्थिति
			2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	
5	तेतेलिया-बर्नीहाट (**22** किमी)	नई लाइन	125	100	100	100	तेतेलिया-कमलाजारी (10 किमी) खंड पूरा हो गया है और कमीशन कर दिया गया है। असम राज्य में शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है। मेघालय राज्य में कानून और व्यवस्था की समस्या के कारण कार्य रोक दिया गया है।
6	न्यू माल-मैनागुड़ी रोड और न्यू चांग्राबांदा-चांग्राबांदा (**285** किमी) के आमान परिवर्तन सहित न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा नई लाइन	नई लाइन	100	100	0.0001	52	न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा नई लाइन कमीशन कर दी गई है।
7	रंगिया के रास्ते न्यू बोंगाईगांव - अगथोरी (**143** कि.मी.)	दोहरीकरण	50	200	650	1000	न्यू बोंगाईगांव-बिजनी (17.53 किमी) खंड को कमीशन कर दिया गया है। शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है।
8	गोवालपारा के रास्ते न्यू बोंगाईगांव-कामाख्या (**176** किमी)	दोहरीकरण	225	450	310	500	104 कि.मी. दोहरीकरण कमीशन कर दिया गया है। अजारा - कामाख्या (13 कि.मी.) में वन क्षेत्र के बाहर संरेखण को शिफ्ट करना शामिल है। शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है।

क्र.सं.	परियोजना का नाम लंबाई सहित (**कि.मी.**)	योजना शीर्ष	निधि आबंटन (बजट परिव्यय) (करोड़ रु. में)				वर्तमान स्थिति
			2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	
9	मुरकोंगसेलेक-पासीघाट (**27** किमी)	नई लाइन	2	200	0.0001	100	अरुणाचल प्रदेश और असम में शेष 128 हेक्टेयर भूमि का भूमि अधिग्रहण शुरू किया गया है।
10	अगरतला-अखौरा (5.46 किमी)	नई लाइन	100	100	300	1 (पीपीपी)	पूरी भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
11	सरायघाट पुल (दोहरीकरण) (**7** किमी)	दोहरीकरण	0.1	1	5	16	इस कार्य को 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो।
12	महिषासन (भारत)-जीरो प्वाइंट (बांग्लादेश) (2.7 किमी)	नई लाइन	-	-	0.0001	25	परियोजना को 2020-21 में मंजूरी दी गई है। कार्य शुरू कर दिया गया है।
13	लमडिंग-तिनसुकिया जंक्शन दोहरीकरण (381 किमी)	दोहरीकरण	-	0.0001	5	1	इस कार्य को 2020-21 के बजट में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो।
14	बर्नीहाट-शिलांग (**108** किमी**)**	नई लाइन	0.1	0.0001	0.0001	0.0001	खासी हिल्स विकास स्वायत्त परिषद (केएचडीएसी) द्वारा अधिगृहीत की जाने वाली भूमि के लिए एनओसी जारी करनी है। खासी छात्र संघ (केएसयू) द्वारा कानून और व्यवस्था की गंभीर समस्या पैदा की गई है। लगभग 5 कि.मी. लंबाई में (स्थानीय लोगों द्वारा) अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण (एफएलएस) करने की अनुमति नहीं दी गई है। भूमि

क्र.सं.	परियोजना का नाम लंबाई सहित (**कि.मी.**)	योजना शीर्ष	निधि आबंटन (बजट परिव्यय) (करोड़ रु. में)				वर्तमान स्थिति
			2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	
							अधिग्रहण सहित सभी कार्यकलाप इस कारण रूके हुए हैं।
15	दीमापुर-तिजित (257 कि.मी.)	नई लाइन	0.1	0.0001	0.0001	0.0001	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन 2013-14 के बजट में शामिल किया गया है।
16	सलोना-खुमताई (99 कि.मी.)	नई लाइन	0.1	0.0001	0.0001	0.0001	इस कार्य को 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो।
17	शिवसागर-जोरहाट (62 कि.मी.)	नई लाइन	0.1	0.0001	0.0001	0.0001	इस कार्य को 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो।
18	तेजपुर-सिलघाट (25 कि.मी.)	नई लाइन	0.1	0.0001	0.0001	0.0001	इस कार्य को 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो।
19	कामाख्या-न्यू गुवाहाटी चौहरीकरण (**21** किमी)	दोहरीकरण	0.1	1	0.0001	0.0001	इस कार्य को 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो।

*****